

又逢深秋

1 = C $\frac{2}{4}$

♩ = 60

(根据铁木冰冰演唱音频记谱)

孙书林词

于海利曲

岭南印象制谱

(3 6 6 5 | 6̇¹6 5 6 | 7 6 7 6 5 3 | 2 3· 3 | 3· 5 6̇¹ | 6 5 3 2· 1 | 2· 3 2 1 1 7 | 6̇¹ - | 6̇¹ -) |

6̇¹ 3 3 6̇¹ | 3 2 1· | 3 3 5 7 6̇¹ | 6̇¹ - | 1· 1 1 6̇¹ | 2 2 3 5 3 2 | 2² 3 - | (5 3 3 2) |

又逢深秋 枫叶红透，缕缕相思涌满心头，

3 6 6 3 2 | 2 - | 5· 3 3 2 | 1¹ 6̇¹ - | 7· 7 7 6̇¹ | 5 3 5 6̇¹ | 6̇¹ - | (3 2 3 5) |

回到枫林默默等候，等待找回最初情柔。

||: 6̇¹ 3 3 6̇¹ | 3 2 1· | 3 3 5 7 6̇¹ | 6̇¹ - | 1· 1 1 6̇¹ | 2 2 3 5 3 2 | 2² 3 - | (5· 6̇¹ 3 2) |

1.2. 又逢深秋 暗香残留，一壶老酒醉了娇羞，

3 6 6 3 2 | 2 - | 5· 3 3 2 | 1¹ 6̇¹ - | 7· 7 7 6̇¹ | 5· 3 1 7 6̇¹ | 6̇¹ - | (3 6 6 5) |

站在村口痴痴等候，等待爱人陪在左右。

3 6 6 | 6 7 6 7 6 | 7 6 7 6 5 6 | 5⁵ 3 - | 3· 3 6 6 | 6 3 2 2 | 1 1 6 1 2 |

人世间有多少无望的等候，枫叶红透依然等不到回

3 2 3· | 3 6 6 7 | 6 7 6 5 | 6 3 5 3 2 | 3 2 1· | 2· 2 2 3 | 5 5 3 2 |

首，等了一个深秋又一个深秋，山盟海誓早已经

2 2 3 1 6 | 6̇¹ - | 3 6 6 | 6 7 6 7 6 | 7 6 7 6 5 6 | 5⁵ 3 - | 3· 3 6 6 | 6 3 2 2 |

被风吹走。红尘里有多少无奈的分手，凋零红叶已经

1 1 6 1 2 | 3 2 3· | 3 6 6 7 | 6 7 6 5 | 6 3 5 3 2 | 3 2 1· |

被寒风吹走，过了一个深秋再一个深秋，

1. 2· 2 2 3 | 5 3 5 2 | 2· 3 2 1 6 | 6̇¹ - | (3 6 5 | 6̇¹6 5 6 | 7 6 7 6 5 3 | 2 3· 3 |

如钩弯月挂满了离别哀愁。

2. 3· 5 6̇¹ | 6 5 3 2· 1 | 2· 3 2 1 1 7 | 6̇¹ - | 6̇¹ -) :|| 2· 2 2 3 | 5 3 5 2 | 2· 3 2 1 6 | 6̇¹ - |

如钩弯月挂满了离别哀愁，

2· 2 2 3 | 5 3 5 2 | 2· 3 2 1 6̇¹ | 6̇¹ - | 6̇¹ - | (3 6 6̇¹ | 6 5 6 3 |

如钩弯月挂满了离别哀愁。

6 5 3 2 | 3 2 1· | 2· 1 2 3 | 6 5 3 2· 1 | 2· 3 2 1 1 7 | 6̇¹ - | 6̇¹ -) ||